स्मिथ एवं एशबर्न के अनुसार " लेखांकन मुख्यतः वित्तीय स्वभाव वाले व्यावसायिक व्यवहारों और घटनाओं के लिखने एवं वर्गीकरण करने का विज्ञान है इन व्यवहारों एवं घटनाओं का महत्वपूर्ण सारांश बनाने, विश्लेषण करने, उनकी व्याख्या और परिणामों को उन व्यक्तियों तक पहुँचाने की कला है जिन्हे उनके आधार पर निर्णय लेने हैं।"

निष्कर्षतः हम कह सकते है कि लेखांकन कला तथा विज्ञान दोनों है। जिसकी सहायता से हम वित्तीय लेन-देनों को क्रम-बद्ध लिखते है, वर्गीकरण करते है, सारांश तैयार करते है तथा उनका विश्लेषण तथा निर्वचन करते है।

* लेखांकन की विशेषताएँ निम्नलिखित है।

(i) Accounting व्यवसायिक लेन-देनों को लिखने और वर्गीकृत करने की कला है।

(ii) ये Transactions आंकिक तथा पूर्ण रूप से वित्तीय प्रकृति की होती है।

(iii) लेन-देन मुद्रा में व्यक्त किए जाते है।

(iv) यह सारांश लिखने, विश्लेषण और निर्वचन करने की कला है।

(v) इसकी सूचना सही व्यक्ति तक पहुँचाना

लेखांकन के निम्नलिखित उद्देश्य है:-

(i) व्यवसायिक लेन-देनों का नियमित एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण लेखा करना

(ii) शुद्ध-लाभ-हानि का निर्धारण

(iii) व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का ज्ञान

(iv) आर्थिक निर्णयों के लिए सूचना प्रदान करना

(v) व्यवसाय में हित रखने वाले पक्षों को सूचनाएँ देना

(vi) कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करना

Scanned with CamScanner